दावत बिला अमल

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1] बुखारी व मुस्लिम की रिवायत, रावी हज़रत उसामा बिन जैद रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की एक आदमी कयामत के दिन लाया जाएगा और आग मै फेंक दिया जाएगा तो उस्की अंतडियाँ आग मै निकल पडेंगी फिर उसे आग मै इस तरह लिए फिरेगा जैसे गधा अपनी चक्की मै फिरता है, तो दूसरे जहन्नमी लोग उस्के पास इकट्ठा होंगे और पूछेगे ऐ फलां ये तेरा क्या हाल है? क्या तुम हम को दुनिया मै नेकियां करने के लिए नहीं कहा करते थे? और बुराईयों से नहीं रोकते थे? (ऐसे नेकी के काम करने के बावजूद तुम यहां कैसे आ गये) वो शख्स कहेगा की मै तुम्हें तो नेकियाँ करने के लिए कहता था और खुद उस्के करीब नहीं जाता था और बुराईयों से तुम्को तो रोकता था पर खुद करता था.

2] मिश्कात की रिवायत, रावी हज़रत अनस रदी.
रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की मैने मेराज की रात कुछ लोगों को देखा की उन्के होंट आग की कैंचियों से काटे जा रहे है, मैने जिब्रील (अल) से पूछा की ये कौन लोग है? जिब्रील (अल) ने कहा ये आपﷺ की उम्मत के मुकर्रिरीन (तकरीर करने वाले) लोग है ये लोगों को नेकी का काम और तकवा का हुक्म देते थे और अपने आपको भूल जाते थे.

3] बुखारी की रिवायत, रावी हज़रत हरमला रदी.
मैने रसूलुल्लाहﷺ से कहा की आप मुझे किन बातों के करने का हुक्म देते है? आप ने फरमाया की नेकी पर अमल कर, और बुराई से बच, और देख अगर तू ये पसन्द करता है की लोग मजलिस से उठ कर तेरे चले जाने के बाद अच्छे औसाफ से याद करें तो तू अपने अन्दर अच्छे औसाफ पैदा कर और जिन बातों को तू नापसन्द करता है की तेरी गैर मौजूदगी मै लोग तेरे बारे मै कहें तो तू उस्से बच.
मतलब ये की आदमी चाहता है की लोग अच्छे शब्दों से उसे याद करें तो उसे वैसे ही काम करने चाहिए, और आदमी

नापसन्द करता है की लोग बुरे औसाफ से उसे याद करें, तो ऐसे औसाफ से उसे बचना चाहिए.

4] दारमी की रिवायत, रावी हज़रत असन रदी.
इल्म दो तरह का होता है एक इल्म तो वो है जो जुबान से गुज़र कर दिल मै जगह पकड लेता है यही इल्म कयामत मै काम आएगा, और एक वो है जो सिर्फ जुबान पर रहता है, दिल तक नहीं पहुंचता ये इल्म अल्लाह अज़्जा व जल्ल की अदालत मै आदमी के खिलाफ हुज्जत और दलील बनेगा. यानी ऐसे आदमी को अल्लाह ये कह कर सज़ा देगा की तू तो सब कुछ जानता बूझता था फिर अमल की गठरी अपने साथ क्यों नहीं लाया जो तेरे काम आता.